



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 27 ]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जनवरी 25, 2001/माघ 5, 1922

No. 27]

NEW DELHI, THURSDAY, JANUARY 25, 2001/MAGHA 5, 1922

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

( वाणिज्य विभाग )

( पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महाविदेशालय )

अधिसूचना

नई दिल्ली, 25 जनवरी, 2001

प्रारंभिक निष्कर्ष

विषय : चीन जनवादी गणराज्य से स्पोर्ट्स शूज के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच

56/1/2000-डीजीएडी-1995.— में यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 तथा उसकी

सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण

तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 को ध्यान में रखते हुए;

## (क) प्रक्रिया

1. जांच के संबंध में अधोलिखित प्रक्रिया अपनाई गयी है:

(i) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे इसके बाद प्राधिकारी भी कहा गया है) को उपरोक्त नियमावली

के अन्तर्गत चीन जनवादी गणराज्य (जिसे इसके बाद संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के अथवा

वहां से निर्यातित स्पोर्ट्स शूज (जिसका इसके बाद संबद्ध वस्तु के रूप में उल्लेख किया गया है), के भारत में पाटन के संबंध में विश्वस्त स्रोतों से सूचना प्राप्त हुई ।

(ii) प्राधिकारी ने प्राप्त हुए प्रथम दृष्ट्या साक्ष्य के आधार पर नियम 5(4) के अन्तर्गत चीन जनवादी गणराज्य से संबद्ध वस्तु के आयातों के खिलाफ जांच शुरू करने का निर्णय लिया । प्राधिकारी ने नियमावली के उपनियम 5(5) के अनुसार जांच की कार्रवाई आरम्भ करने से पूर्व नई दिल्ली स्थित चीन जनवादी गणराज्य के दूतावास को सूचना प्राप्त होने के बारे में सूचित किया ।

(iii) प्राधिकारी ने चीन जनवादी गणराज्य की मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु, जो सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की अनुसूची-1 में सीमाशुल्क शीर्ष 6402 से 6405 तक के अन्तर्गत वर्गीकृत है, के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच शुरू करने के लिए दिनांक 20.11.2000 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया ।

(iv) प्राधिकारी ने सार्वजनिक सूचना की प्रति सभी ज्ञात निर्यातकों (जिनके ब्यौरे विभिन्न स्रोतों से उपलब्ध हुए थे) और उद्योग एसोसिएशनो को भेजी और नियम 6(2) के अनुसार उन्हें लिखित रूप में अपने विचार प्रस्तुत करने का अवसर दिया ।

(v) प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध वस्तु के ज्ञात आयातकों (जिनके ब्यौरे विभिन्न स्रोतों से उपलब्ध हुए थे) को सार्वजनिक सूचना की एक प्रति भेजी और उनसे पत्र के जारी होने के चालीस दिनों के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने के लिए कहा ।

(vi) केन्द्रीय उत्पादशुल्क एवं सीमाशुल्क बोर्ड (सीबीईसी) से अनुरोध किया गया कि वह जांच अवधि सहित पिछले तीन वर्षों के दौरान भारत में किए गए संबद्ध वस्तु के आयातों के ब्यौरे प्रस्तुत करें।

(vii) प्राधिकारी ने उक्त नियम 6(3) के अनुसार ज्ञात निर्यातकों और संबद्ध देश के दूतावास को जाँच शुरूआत संबंधी अधिसूचना की प्रति उपलब्ध करवाई। अनुरोध किए जाने पर जाँच शुरूआत संबंधी अधिसूचना की प्रति अन्य हितबद्ध पार्टियों को भी उपलब्ध कराई गयी।

(viii) प्राधिकारी ने नियम 6(4) के अनुसार संगत जानकारी प्राप्त करने के लिए संबद्ध देश के निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों को प्रश्नावली भेजी:

1. मै. बीजिंग दाइहुआ ग्रुप, बीजिंग, चीन
2. मै. तियानजिन वुक्विंग यांगंग शू फैक्टर, तियानजिन, चीन
3. मै. अनशान टोंगसू रबड प्लांट, लियाओनिंग, चीन
4. मै. जिलिन हेलोंग स्पोर्ट्स शूज फैक्टरी, जिलिन, चीन
5. मै. पोटे (जियामेन) शू कंपनी लि., फ्यूजियान, चीन
6. मै. वुजहोउ रबड प्लांट, गुआंगसी, चीन
7. मै. शंघाई हुआजू शू इंडस्ट्रियल कम्पनी लि., शंघाई, चीन
8. मै. तिआजहोऊ जिआलन शूज इंडस्ट्रियल कम्पनी लि., झेजिआंग, चीन
9. मै. तिआजहोऊ बैली शूज इंडस्ट्रियल कम्पनी लि., झेजिआंग, चीन
10. मै. तिआनजिन किसनलि शू कं. लि., तिआनजिन, चीन

(ix) संबद्ध देश के नई दिल्ली स्थित दूतावास को नियम 6(2) के अनुसार जांच शुरू करने के बारे में इस अनुरोध के साथ सूचना दी गई थी कि वह अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों को निर्धारित समय के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने के लिए कहें। निर्यातकों को भेजे गए पत्र, जाँच शुरूआत संबंधी अधिसूचना और प्रश्नावली की प्रति ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों की सूची सहित संबद्ध देश के दूतावास को भी भेजी गई थी।

(x) नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना के लिए संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/उपयोगकर्ता एसोसिएशनों को प्रश्नावली भेजी गई थी :

1. मै. रीबोक इंडिया कम्पनी
2. मै. बाटा इंडिया लि.,
3. मै. एडिडाज इंडिया ट्रेडिंग प्रा. लि.,
4. मै. अलिशान इंडिया लि.,

(xi) संबद्ध देश से किसी भी निर्यातक/उत्पादक द्वारा प्रश्नावली/अधिसूचना का उत्तर/इसकी सूचना दायर नहीं की गई थी। मै. बाटा इंडिया लि. तथा मै. रीबोक इंडिया कम्पनी ने उत्तर दायर किया था।

(xii) घरेलू उद्योग से क्षति से संबंधित मापदण्डों, उत्पादन लागत के बारे में मांगी गई थी जिसे निम्नलिखित घरेलू उत्पादकों द्वारा प्रस्तुत भी कर दिया गया था :-

1. मै. रिलैक्सो फुटवियर लि., (दो इकाइयां नामतः मै. मारवल पोलीमर्स प्रा. लि. और मै. नुबावे शूज)
2. मै. एपीआइ एसोसिएट्स लि.,

3. मै. निखित फुटवियर लि.,

4. मै. लखानी इंडिया लि. (दो इकाइयां, नामतः पीवीसी इंजेक्टेड यूनिट और पीवीए सोल यूनिट)

(xiv) प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना का आवश्यक समझी जाने वाली सीमा तक सत्यापन किया ।

(xv) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत विभिन्न स्रोतों से प्राप्त की गई सूचना के अगोपनीय अंश प्राधिकारी द्वारा रखी गई सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध रखे और उसे हितबद्ध पार्टी द्वारा निरीक्षण के लिए खुला रखा ।

(xvi) \*\*\*\*\* यह चिन्ह इस अधिसूचना में किसी हितबद्ध पार्टी द्वारा गोपनीय आधार पर दी गई सूचना को प्रदर्शित करता है तथा प्राधिकारी द्वारा उसे नियमों के तहत ऐसा ही माना गया है ।

(xvii) यह जांच 01.04.2000 से 30.09.2000 अर्थात् जांच अवधि के लिए की गई थी ।

(ख) घरेलू उद्योग, निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पार्टियों के विचार

1. निर्यातकों/उत्पादकों/उपयोगकर्ता संघों से कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ था ।

## 2. आयातकों के विचार

मै. बाटा इंडिया लि. ने जांच अवधि में संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु की विभिन्न किस्मों और उनकी आयात कीमतों का ब्यौरा दिया है। आयातक ने खरीद और मांग प्रक्रिया का भी ब्यौरा दिया है।

xx) मै. शीबोक इंडिया लिमि. ने जांच अवधि के दौरान उनके द्वारा किए गए आयातों, घरेलू आपूर्ति कर्ताओं से उनके द्वारा खरीदे गए ब्रांडेड शूज की लागत निर्धारण के बारे में ब्यौरे उपलब्ध करवाए हैं आयातक ने यह बताया है कि उनके द्वारा आयातित उच्च कीमत के एंड शूज प्रौद्योगिकी बिंदों द्वारा तैयार किए गए विशिष्टता वाले शूज हैं जो घरेलू विनिर्माताओं के पास उपलब्ध नहीं हैं। इसके अलावा पाटनरोधी शुल्कों का स्वरूप संरक्षवादी है और यह कि विकसित देशों द्वारा उपभोक्ता आधारित नतियां अपनाई जाती हैं और न कि उद्योग आधारित आर्थिक नीतियां।

## 3. घरेलू उद्योग के विचार

### (क) विचाराधीन उत्पाद एवं समान वस्तु के संबंध में

घरेलू उद्योग ने सूचित किया है कि संबद्ध देश से निम्नलिखित वस्तुओं का आयात किया जा रहा है:

1. पी वी सी युक्त जुता, कैनवास या सिन्थेटिक अपर्स युक्त चप्पल
2. अपर सोल युक्त कैनवास जूते।
3. अपर्स सिन्थेटिक या कपड़ा या कम्बिनेशन मेटिरियल्स और रबड़ या ई वी ए सोल युक्त स्पोर्ट्स शूज।

घरेलू उत्पादक समान प्रकार के जूतों का विनिर्माण कर रहे हैं जिसका उपयोग भारतीय ग्राहक एक दूसरे के स्थान पर कर रहे हैं।

### (ख) घरेलू उद्योग के संबंध में

निम्नलिखित घरेलू उत्पादकों ने, जो कुल घरेलू उत्पादन का 50 प्रतिशत से अधिक का उत्पादन करते हैं, आवेदन का समर्थन किया है

1. मै. ए पी आई पॉलीमर्स प्रा. लिमि., नई दिल्ली।
2. मै. निखिल फुटवियर प्रा. लिमि., नई दिल्ली।
3. मै. फुटवियर (क्लिक) इंडिया प्रा. लिमि., नई दिल्ली।
4. मै. प्रेम इंटरप्राइजेज, नई दिल्ली।
5. मै. वेलकम शूज, नई दिल्ली।

6. मै. गैलेक्सी शूज (इ.) प्रा. लिमि., नई दिल्ली ।
7. मै. अदिति इंटरनेशनल, नई दिल्ली ।
8. मै. लखानी शूज लिमि., फरीदाबाद
9. मै. लिबर्टी ग्रुप, नई दिल्ली
10. मै. रिलैक्सो इंटरनेशनल, नई दिल्ली ।

(ग) पाटन के संबंध में

घरेलू उद्योग ने सूचित किया है कि संबद्ध देश से निर्यातक इस उत्पाद का निर्यात बहुत कम कीमत पर कर रहे हैं और उन्होंने सी आई एफ कीमतों और निर्यातकों द्वारा समुद्री/हवाई भाड़ा के रूप में किए जाने वाले खर्चों के ब्यौरे प्रस्तुत किए हैं ।

(घ) क्षति के बारे में

घरेलू उद्योग ने सूचित किया है कि संबद्ध वस्तुओं की मांग में कोई गिरावट नहीं आई है और यह कि उन्हें निम्नलिखित कारणों से वास्तविक क्षति हुई है:-

- i) घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा 1999-2000 में 74.09 प्रतिशत से घटकर जांच अवधि के दौरान 57.81 प्रतिशत हो गया है ।
- ii) चीन से आयात 1999-2000 में 4.68 लाख जोड़ा से बढ़कर जांच अवधि के दौरान (वार्षिक रूप से) 5.7 लाख जोड़ा हो गया है । इसके अलावा उपलब्ध साक्ष्य के अनुसार हांगकांग, सिंगापुर के जरिए भी आयात हुए हैं और इस प्रकार चीन से आयात काफी अधिक मात्रा में हुआ है ।
- iii) घरेलू उद्योग का उत्पादन 98-99 की तुलना में जांच अवधि के दौरान 11.24 प्रतिशत घट गया है ।
- iv) क्षमता उपयोग का प्रतिशत 98-99 में 62.97 प्रतिशत से घटकर 99-2000 में 60 प्रतिशत रह गया है और यह जांच अवधि में और घटकर 53.26 प्रतिशत रह गया है ।
- v) उद्योग की लाभप्रदता 1999-2000 में \*\*\* करोड़ रु. थी जो जांच अवधि में गिरकर \*\*\* करोड़ रु. रह गई है ।
- vi) प्रति जोड़ा भारित औसत लाभ 1999-2000 में \*\*\* रु. प्रति जोड़ा था जो जांच अवधि में घटकर \*\*\* रु. प्रति जोड़ा रह गया है ।

ग. प्राधिकारी द्वारा जांच

हितबद्ध पार्टियों और अन्य इच्छुक पार्टियों द्वारा किए गए उपर्युक्त अनुरोधों के संबंध में नियमानुसार जिस सीमा तक वे संगत हैं और इस मामले पर जिस सीमा तक वे प्रभाव डालते हैं

उस सीमा तक जांच कर विचार किया गया है तथा इन जांच परिणामों में उन पर उचित स्थानों पर कार्रवाई की गई है।

### 1. विचारीधीन उत्पाद

विचाराधीन उत्पाद सीमाशुल्क शीर्ष 6402 से 6405 के अंतर्गत वर्गीकृत स्पोर्ट्स शूज हैं जो एक गैर-चमड़ा स्पोर्ट्स फुटवियर है। इस उत्पाद में केवल पी वी सी युक्त जूता, अपर सोल युक्त कैनवास जूता और अपर्स सिन्थेटिक या कपड़ा या कम्बिनेशन मैटीरियल्स और रबड़ या ई वी ए सोल युक्त स्पोर्ट्स शूज शामिल हैं। तथापि यह वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और यह मौजूदा जांच के दायरे में किसी भी प्रकार से बाध्यकारी नहीं है।

### 2. समान वस्तु:

प्राधिकारी नोट करते हैं कि आयात किए जा रहे स्पोर्ट्स फुटवियर के समान स्पोर्ट्स फुटवियर का विनिर्माण घरेलू उद्योग द्वारा भी किया जा रहा है और इनका उपयोग भारत में ग्राहकों द्वारा अदल-बदल कर किया जा रहा है। घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित वस्तुएं नियम 2(घ) की परिभाषा के अंतर्गत संबद्ध देश से आयात की जा रही वस्तुओं के समान वस्तु है।

### 3. घरेलू उद्योग:

प्राधिकारी नोट करते हैं कि नीचे दर्शाए गए घरेलू उत्पादकों का कुल घरेलू उत्पादन में 50 प्रतिशत हिस्सा है और उन्होंने जांच का समर्थन किया है:

1. मै. ए पी आई पॉलीमर्स प्रा. लिमि., नई दिल्ली।
2. मै. निखिल फुटवियर प्रा. लिमि., नई दिल्ली।
3. मै. फुटवियर (क्लिक)इंडिया प्रा. लिमि., नई दिल्ली।
4. मै. प्रेम इंटरप्राइजेज, नई दिल्ली।
5. मै. वेलकम शूज, नई दिल्ली।
6. मै. गैलेक्सी शूज (इ.)प्रा.लिमि., नई दिल्ली।
7. मै. अदिति इंटरनेशनल, नई दिल्ली।
8. मै. लखानी शूज लिमि., फरीदाबाद
9. मै. लिबर्टी ग्रुप, नई दिल्ली
10. मै. रिलैक्सो इंटरनेशनल, नई दिल्ली।

किसी भी घरेलू उत्पादक ने पाटनरोधी जांच का विरोध नहीं किया है।

इसके अलावा निम्नलिखित घरेलू उत्पादकों ने क्षति संबंधी सूचना प्रस्तुत की हैं-



1. मै. रिलेक्सो फुटवियर लिमि.
2. मै. ए पी आई एसोसिएट्स लिमि.
3. मै. निखिल फुटवियर लिमि.
4. मै. लखानी इंडिया लिमि.

ऊपर उल्लिखित उत्पादक नियम 2 (ख) के अनुसार घरेलू उद्योग के मानदंड को पूरा करते हैं।

#### 4. सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत

धारा 9 क (1) (ग) के अंतर्गत किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का अर्थ है:

(i) व्यापार के सामान्य रूप में मिलती-जुलती वस्तुओं का तुलनात्मक मूल्य जबकि यह निर्यातक देश या क्षेत्र में उपभोग के लिए हो, जिसका निर्धारण उप-धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार किया जाए; या

(ii) जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार के सामान्य रूप में मिलती-जुलती वस्तुओं की कोई बिक्री न हो, या निर्यातक देश अथवा क्षेत्र के घरेलू बाजार में विशेष बाजार स्थिति या बिक्री की कम मात्रा के कारण ऐसी बिक्री से उचित तुलना नहीं की जा सकती हो, तब सामान्य मूल्य इनमें से कोई एक होगा-

(क) निर्यातक देश या क्षेत्र या किसी उपयुक्त तीसरे देश से निर्यात किए जाने पर मिलती-जुलती वस्तुओं का तुलनात्मक प्रतिनिधि मूल्य, जिसका निर्धारण उप-धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार किया जाएगा; या

(ख) प्रशासनिक लागतों, बिक्री-लागतों और सामान्य लागतों एवं लाभों के लिए उचित राशि जोड़ते हुए उद्गम वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत, जिसका निर्धारण उप-धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार किया जाएगा

बशर्ते कि ऐसे मामले में जहां वस्तु का आयात उद्गम वाले देश से भिन्न किसी अन्य देश से किया गया हो तथा जहां वस्तु को निर्यात वाले देश से केवल वाहनान्तरित किया गया हो, या निर्यात वाले देश में ऐसी वस्तु का उत्पाद नहीं किया जाता है या निर्यात वाले देश में कोई तुलनात्मक कीमत नहीं है, तब सामान्य मूल्य का निर्धारण उद्गम वाले देश में इसकी कीमत के संदर्भ में किया जाएगा।

### सामान्य मूल्य

चीन के किसी भी निर्यातक/आयातक ने प्राधिकारी द्वारा भेजी गई प्रश्नावली का जबाब नहीं दिया है। तथापि घरेलू बिक्री कीमतों और तीसरे देशों की कीमतों के बारे में सूचना कतिपय विश्वसनीय स्रोतों द्वारा प्राधिकारी को दी गई है। प्राधिकारी यह बात भी नोट करते हैं कि भारत में संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध कराई गई है। अतः आयातकों के असहयोग को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकारी पाटनरोधी नियमों के अनुसार उपलब्ध सर्वोत्तम सूचना के आधार पर सामान्य मूल्य को परिकलित करना उचित समझते हैं। इसे संबद्ध देश में संबद्ध वस्तु की घरेलू बिक्री कीमत और विश्वसनीय स्रोतों से एकत्र की गई सूचना के आधार पर भारत से भिन्न तीसरे देशों को निर्यात कीमतों के साथ भी सह बद्ध किया गया है। संबद्ध देश में संबद्ध वस्तु लो एंड ब्रांडेड शूज और ब्रांडेड शूज समेत अनब्रांडेड स्पोर्ट्स शूज (नाइक/रीबोक एडिडाज) का आकलित सामान्य मूल्य क्रमशः XXX रूपए प्रति जोड़ा और XXX रूपए प्रति जोड़ा आता है।

### निर्यात कीमत

इस निदेशालय ने घरेलू उद्योग तथा कुछेक आयातकों द्वारा प्रदत्त सूचना के आधार पर उसे डी जी सी आई एंड एस के आंकड़ों के साथ सह-बद्ध करने के पश्चात घरेलू उद्योग और आयातकों से उपलब्ध सर्वोत्तम सूचना और ऐसे मामलों में अपनाई जाने वाली सुसंगत प्रक्रिया के अनुसार XXX,XXX,XXX,XXX और XXX रु. प्रति जोड़े की सीमा तक समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, कमीशन, पत्तन व्यय स्वदेशी भाड़े इत्यादि के संबंध में समायोजनों की अनुमति देकर कारखाना गत निर्यात कीमत का मूल्यांकन किया है। संबद्ध वस्तु लो एंड ब्रांडेड शूज और ब्रांडेड शूज (नाइक/रीबोक एडिडाज) समेत अनब्रांडेड स्पोर्ट्स शूज की भारत औसत कारखाना गत निर्यात कीमत क्रमशः XXX रु. प्रति जोड़ा और XXX रूपए प्रति जोड़ा आती है।

### 5. पाटन सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत की तुलना

तुलना से संबंधित नियम निम्नानुसार हैं-

"पाटन मार्जिन निकालते समय, निर्दिष्ट प्राधिकारी निर्यात कीमत और सामान्य मूल्य के बीच उचित तुलना करेगा। यह तुलना व्यापार के उसी स्तर पर सामान्यतया कारखाना द्वार स्तर पर की जाएगी और यथासंभव उसी समयावधि के दौरान की गई बिक्रियों के संबंध में की जाएगी। जो अंतर तुलनीयता पर प्रभाव डालते हैं, उनके लिए प्रत्येक मामले में ग्रण-दोष के आधार पर समचित छूट दी जाएगी; अंतर में शामिल हैं- बिक्री की शर्तें, कराधान, व्यापार के स्तर, मात्राएं, भौतिक विशेषताओं में अंतर तथा कोई अन्य अंतर जो कीमत तुलनीयता को प्रभावित करने के लिए प्रदर्शित किए जाते हैं।"

प्राधिकारी ने पाटन मार्जिन का मूल्यांकन करने के लिए भारत औसत सामान्य मूल्य की तुलना भारत औसत कारखानागत निर्यात कीमत के साथ की है।

निर्यातक/उत्पादक	सामान्य रू./जोड़ा	मूल्य रू./जोड़ा	निर्यात कीमत रू./जोड़ा	डंपिंग मार्जिन(प्रतिशत)
सभी निर्यातक/उत्पादक				
क) नाइक/रीबोक एडिडाज को छोड़कर अनब्रांडेड और लो एंड ब्रांडेड	*****	*****	*****	67.61
ख) ब्रांडेड श्रेणी (नाइक/रीबोक/ एडिडाज)	*****	*****	*****	126.80

ऊपर यथा उल्लिखित दोनों श्रेणियों के निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन क्रमशः 67.61 प्रतिशत और 126.80 प्रतिशत बनता है।

#### 6. क्षति एवं कारणात्मक संबंध

ऊपर नियम 11 अनुबंध-II के अंतर्गत जब क्षति का निष्कर्ष निकाला जाता है तो ऐसे निष्कर्ष में घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति का निर्धारण भी शामिल होगा।<sup>1</sup> ऐसा करते समय सभी संगत तथ्यों को ध्यान में रखा जाएगा जिनमें शामिल हैं- पाटित आयातों की मात्रा, घरेलू बाजार में समान वस्तुओं की कीमतों पर उनका प्रभाव तथा ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों का परिणामी प्रभाव .... कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय इस बात की जांच करना आवश्यक समझा जाता है कि क्या भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा कीमतों में पर्याप्त कटौती की गई है या क्या ऐसे आयातों का प्रभाव पर्याप्त मात्रा में कीमतों को अन्यथा कम करना या कीमतों में होने वाली वृद्धि को रोकना है जो अन्यथा काफी बढ़ गई होती।

भारत में घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के पड़ने वाले प्रभाव की जांच करने के लिए, ऊपर नियमों के अनुबंध-II (iv) के अनुसार ऐसे सूचकों पर विचार किया गया है, जिनका उद्योग की स्थिति पर प्रभाव पड़ता है, जैसे उत्पादन क्षमता, उपयोग, बिक्री की मात्रा, स्टॉक, लाभप्रदता, कुल बिक्री आय, पाटन की मात्रा तथा मार्जिन आदि।

#### प्राधिकारी निम्नलिखित टिप्पणी करते हैं

1. घरेलू उद्योग के बाजार हिस्सा वर्ष 1999-2000 में 74.09 प्रतिशत से घटकर जांच अवधि के दौरान 57.81 प्रतिशत हो गया है।
2. चीन से हुए आयात वर्ष 1999-2000 में 4.68 लाख जोड़ा से बढ़कर जांच अवधि में 5.7 लाख जोड़ा (वार्षिक) हो गया है।

इसके अलावा, उपलब्ध साक्ष्य के अनुसार हांगकांग तथा सिंगापुर के रास्ते भी आयात किए जा रहे हैं।

2. वर्ष 1998-99 की तुलना में जांच अवधि (पी ओ आई) के दौरान घरेलू उद्योग का उत्पादन 11.24 प्रतिशत घट गया है।

3. क्षमता उपयोग की प्रतिशतता वर्ष 1998-99 के 62.47 प्रतिशत से घट कर वर्ष 1999-2000 में 60 प्रतिशत हो गई है और आगे यह जांच अवधि में घट कर 53.26 प्रतिशत रह गया है।

4. उद्योग की लाभप्रदता वर्ष 1999-2000 की \*\*\* करोड़ रु. से घट कर जांच अवधियों में \*\*\* करोड़ रु. यह गई है।

5. प्रति जोड़ा भारित औसत लाभ वर्ष 1999-2000 के \*\*\* रु. प्रति जोड़ा से घट कर जांच अवधि में \*\*\* रु. प्रति जोड़ा रह गया है।

प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तुओं की मांग जो वर्ष 1999-2000 में 5 लाख जोड़े तथा वर्ष 1998-99 में लगभग 5 लाख जोड़े की थी, वह जांच अवधि (वार्षिकृत) में बढ़कर 5.6 लाख जोड़े तक की हो गई है।

उपरोक्त आर्थिक संकेतकों से सामूहिक और संचयी रूप से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग को पाटित आयातों से वास्तविक क्षति हुई है इस बात की पुष्टि करते समय कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति संबद्ध देश से हुए आयातों के पाटन के कारण हुई है, प्राधिकारी यह मानते हैं कि संबद्ध देश से हुए संबद्ध वस्तु के निर्यातों के पाटन के कारण घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु की कीमतों में कमी आई है और इस प्रकार घरेलू उद्योग अलाभकारी कीमतों पर बिक्री करने के लिए बाध्य हुआ है जिसके परिणाम स्वरूप घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में कमी आई है और उसे वित्तीय घाटा हुआ है। संबद्ध वस्तु की मांग बढ़ रही है, यह घरेलू उद्योग को हुई क्षति के लिए जिम्मेदार कारक नहीं रहा है।

## 7. भारतीय उद्योग के हित एवं अन्य मुद्दे

कुछ हितबद्ध पक्षों ने यह अनुरोध किया है कि पाटनरोधी शुल्कों का स्वरूप संरक्षणवादी है।

प्राधिकारी यह मानते हैं कि यद्यपि पाटनरोधी शुल्कों के लगाए जाने से संबद्ध वस्तुओं के प्रयोग से विनिर्मित उत्पादों का कीमत स्तर प्रभावित हो सकता है तथा इसके परिणामस्वरूप इन उत्पादों की संबद्ध प्रतिस्पर्धात्मकता पर इसका कुछ प्रभाव पड़ सकता है तथापि पाटनरोधी उपायों के द्वारा भारतीय बाजार में निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा में कमी नहीं आएगी। इसके विपरीत, पाटनरोधी उपायों के लागू किए जाने से पाटन की प्रक्रिया द्वारा प्राप्त किए जा रहे अनुचित लाभ समाप्त होंगे तथा घरेलू उद्योग में आ रही गिरावट रुकेंगी और इससे उपभोक्ताओं के लिए संबद्ध वस्तुओं की व्यापक पंसद

उपलब्धता को बनाए रखने में मदद मिलेगी। पाटनरोधी उपायों के लागू किए जाने से संबद्ध देश से होने वाले आयात किसी भी तरह से प्रतिबंधित नहीं होंगे और इसलिए यह उपभोक्ताओं के लिए उत्पादों की उपलब्धता को प्रभावित नहीं करेगा।

## 8. पहुंच मूल्य

अंतिम जांच होने तक प्रारंभिक निर्धारण के उद्देश्य से पहुंच मूल्य का निर्धारण सीमाशुल्क के लागू स्तर (धारा 3, 3क, 8 ख, 9 9क के तहत लगाए गए शुल्कों को छोड़ कर) तथा उतराई प्रभार के लिए एक प्रतिशत को जोड़ने के बाद किया गया है।

## घ. निष्कर्ष

पूर्वोक्त बातों पर विचार करने के बाद यह देखा गया है कि:

(क) पूर्वोक्त पैरा ग(1) में यथा उल्लिखित स्वरूप की संबद्ध देश के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु का भारत को निर्यात इसके सामान्य मूल्य से कम मूल्य पर किया गया है।

(ख) घरेलू उद्योग को इसके बाजार हिस्से में कमी आने के कारण वास्तविक क्षति हुई है और पाटित संबद्ध वस्तुओं के कम पहुंच मूल्य के चलने कीमत अवमूल्यन के कारण घटी हुई बिक्री कीमत की वजह से वित्तीय हानि हुई है।

(ग) घरेलू उद्योग को हुई क्षति संबद्ध देश के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के पाटन के कारण हुई है। प्राधिकारी संबद्ध देश की मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं जो अध्याय 64 के अंतर्गत आती हैं, के आयात पर पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं।

(घ) घरेलू उद्योग को हुई क्षति को दूर करने के लिए पाटन मार्जिन के बराबर पाटनरोधी शुल्क की धनराशि की सिफारिश करने पर विचार किया गया था। तदनुसार, यह प्रस्ताव किया जाता है कि संबद्ध देश, अर्थात् चीन जनवादी गणराज्य के मूल के अथवा वहां से निर्यातित स्पेर्ट शूज, जो सीमाशुल्क टैरिफ के अध्याय 64 (सीमाशुल्क शीर्ष 6402 से 6405 तक) के अंतर्गत आते हैं, के सभी आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाया जाए। संबद्ध वस्तु केवल पी वी सी युक्त जूता, अपर सोल युक्त कैनवार्स जूता और अपर्स सिंथेटिक्स या कपड़ा या कम्बिनेशन मटीरियल्स और रबड़ या ई वी ए सोल युक्त स्पाट्स शूज हैं जैसाकि पूर्वोक्त पैरा ग(1) में भी उल्लेख किया गया है। पाटनरोधी शुल्क नीचे कालम-3 में उल्लिखित राशि तथा डालर/जोड़ा में आयात के पहुंच मूल्य के बीच का अंतर होगा।

1	2	3
क्र.सं.	निर्यातक/उत्पादक का नाम	राशि (अमरीकी डालर/जोड़ा)
1	सभी निर्यातक/उत्पादक	

(क) नाईक/रीबॉक एडिडाज को छोड़ कर ब्रांड रहित एवं कम स्तर के ब्रांड वाले	6.277
(ख) ब्रांडयुक्त वर्ग (नाईक/रीबॉक/एडिडाज)	18.44

#### ड. आगे की प्रक्रिया

प्रारंभिक निष्कर्षों को अधिसूचित करने के बाद निम्नलिखित प्रक्रिया का अनुसरण किया जाएगा:

(क) प्राधिकारी सभी हितबद्ध पार्टियों से इन निष्कर्षों के बारे में टिप्पणियां आमंत्रित करते हैं और उन पर अंतिम निष्कर्षों में विचार किया जाएगा। इस समय किसी भी हितबद्ध पार्टी द्वारा प्रस्तुत किए गए किसी साक्ष्य पर भी विचार किया जाएगा।

(ख) प्राधिकारी द्वारा उन निर्यातकों, आयातकों तथा अन्य हितबद्ध ज्ञात पार्टियों को अलग से लिखा जा रहा है जो इस पत्र के प्रेषण की तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने विचार प्रस्तुत कर सकते हैं। कोई अन्य हितबद्ध पार्टी भी इन निष्कर्षों के प्रकाशन की तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकती है।

(ग) प्राधिकारी आवश्यक सीमा तक सत्यापन करेंगे।

(घ) प्राधिकारी सभी हितबद्ध पार्टियों को मौखिक अनुरोध करने के लिए अवसर प्रदान करेंगे जिसके लिए तिथि एवं समय के बारे में सभी ज्ञात हितबद्ध पार्टियों को अलग से लिखा जाएगा।

(ड.) प्राधिकारी अंतिम निष्कर्षों की घोषणा करने से पहले महत्वपूर्ण तथ्यों को प्रकट करेंगे।

एल.वी. सप्तर्षि, निर्दिष्ट प्राधिकारी

**MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**  
**(Department of Commerce)**  
**(Directorate General of Anti-Dumping and Allied Duties)**

**NOTIFICATION**

New Delhi, the 25th January, 2001

**Preliminary Findings**

**Sub. : Anti-Dumping investigation concerning imports of Sports Shoes from People's Republic of China**

56/1/2000-DGAD.— Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof:

**A. PROCEDURE**

1. The procedure described below has been followed with regard to the investigation:
  - i) The Designated Authority (hereinafter also referred to as Authority), under the above Rules, received information from reliable sources regarding dumping of Sports Shoes (hereinafter also referred to as subject goods) into India originating in or exported from People's Republic of China (hereinafter referred to as subject country).
  - ii) The Authority on the basis of prima-facie evidence as received decided to initiate the investigation against imports of subject goods from People's Republic of China

- under Rule 5 (4). The Authority notified the Embassy of People's Republic of China in New Delhi about the receipt of the information before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-Rule 5(5) of the Rules.
- iii) The Authority issued a public notice dated 20.11.2000 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating anti-dumping investigations concerning imports of the subject goods classified under custom Head 6402 to 6405 of Schedule I of the Customs Tariff Act, 1975 originating in or exported from People's Republic of China.
  - iv) The Authority forwarded a copy of the public notice to all the known exporters (whose details were obtained from various sources) and the industry associations and gave them an opportunity to make their views known in writing in accordance with the Rule 6(2):
  - v) The Authority forwarded a copy of the public notice to all the known importers (whose details were available from various sources) of subject goods in India and advised them to make their views known in writing within forty days from the date of issue of the letter.
  - vi) Request was made to the Central Board of Excise and Customs (CBEC) to arrange details of imports of subject goods made in India during the past three years, including the period of investigation.
  - vii) The Authority provided a copy of the Initiation Notification to the known exporters and the Embassy of the subject country in accordance with Rules 6(3) supra. A copy of the Initiation Notification was also provided to other interested parties, wherever requested.
  - viii) The Authority sent a questionnaire to elicit relevant information to the following known exporters/producers in the subject country in accordance with the Rule 6(4):



1. M/s Beijing Daihua Group, Beijing, China
2. M/s Tianjin Wuqing Yangang Shoe Factor, Tianjin, China
3. M/s Anshan Tongxu Rubber Plant, Liaoning, China
4. M/s Jilin Helong Sports Shoes Factory, Jilin, China
5. M/s Pote (Xiamen)Shoe Co. Ltd., Fujian, China
6. M/s Wuzhou Rubber Plant, Guangxi, China
7. M/s Shanghai Huoju Shoe Industrial Co. Ltd., Shanghai, China
8. M/s Tiazhou Jialan Shoes Industrial Co. Ltd., Zhejiang, China
9. M/s Tiazhou Beili Shoes Industrial Co. Ltd. Zhejiang, China
10. M/s Tianjin Xinli Shoe Co. Ltd., Tianjin, China

ix) The Embassy of the subject country in New Delhi was informed about the initiation of the investigation in accordance with Rule 6(2) with a request to advise the exporters/producers from the subject country to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letter, Initiation Notification and questionnaire sent to the exporters was also sent to the Embassy of the subject country alongwith a list of known exporters/producers.

x) A questionnaire was sent to the following known importers/user associations of the subject goods for necessary information in accordance with Rule 6(4):

1. M/s Reebok India Company
2. M/s Bata India Ltd.
3. M/s Adidas India Trading Pvt. Ltd.
4. M/s Alishan India Ltd.

xi) Response/ information to the questionnaire/notification was not filed by any of the exporters/producers from the

subject country. Response was filed by M/s Bata India Ltd. and M/s Reebok India Company.

xii) Information regarding injury parameters, cost of production was sought from the domestic industry, which was also furnished by the following domestic producers:--

1. M/s Relaxo Footwear Ltd. (2 units, namely, M/s Marvel Polymers P Ltd. and M/s Nuwave Shoes)
2. M/s API Associates Ltd.
3. M/s Nikhil Footwear Ltd.
4. M/s Lakhani India Ltd. (2 units, namely, PVC Injected Unit and PVA Sole Unit)

xiv) The Authority verified the information provided by the domestic industry to the extent considered necessary.

xv) The Authority kept available non-confidential version of the information as obtained from various sources furnished by various interested parties in the form of a public file maintained by the Authority and kept open for inspection by the interested parties;

xvi) \*\*\*\*in this notification represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.

xvii) Investigation was carried out for the period starting from 1.4.2000 to 30.9.2000 i.e. the period of investigation (POI).

#### **B . VIEWS OF DOMESTIC INDUSTRY, EXPORTERS, IMPORTERS AND OTHER INTERESTED PARTIES**

1. No response was received from exporters/producers/User Associations.

## **2. VIEWS OF THE IMPORTERS**

M/s Bata India Ltd. has provided the details of the various brands and the import prices of the subject goods in the POI from the subject country. The importer has also provided for the details of the purchase and the demand procedures.

M/S Reebok India Limited have provided details on the imports and import prices made by them during the POI, costing of the branded shoes procured by them from the domestic suppliers. The importers have indicated that the high priced end shoes imported by them are speciality shoes made from technologies not available with the domestic manufacturers. Anti-Dumping duty is protectionist in nature and that the developed countries adopt consumer driven economic policies and not the industry driven economic policies.

## **3. THE DOMESTIC INDUSTRY'S VIEWS**

a) **ON PRODUCT UNDER CONSIDERATION & LIKE ARTICLE:** The domestic industry has informed that the following goods are being imported from the subject country:

1. PVC injected shoes, sandals with canvas or synthetic uppers.
2. Canvas shoes with upper soles
3. Sports shoes with uppers synthetic or textiles or combination materials and with rubber or EVA sole.

The domestic producers are producing the similar type of shoes which are used by the Indian customers interchangeably.

b) **ON DOMESTIC INDUSTRY:**

The following domestic producers who account for more than 50% of the total domestic production have supported the application:-

1. M/s API Polymers P Ltd., New Delhi
2. M/s Nikhil Footwear P Ltd., New Delhi
3. M/s Footwear (Klick) India P Ltd., New Delhi
4. M/s Prem Enterprises, New Delhi
5. M/s Welcome shoes, New Delhi
6. M/s Galaxy Shoes (I) P Ltd., New Delhi
7. M/s Aditi International, New Delhi
8. M/s Lakhani Shoes Ltd., Faridabad
9. M/s Liberty Group, New Delhi
10. M/s Relaxo International, New Delhi

c) **ON DUMPING:** The domestic industry has indicated that the exporters from the subject country are exporting the product at very low prices and have provided the details on CIF prices and the ocean/air freight which the exporters would have incurred.

d) **ON INJURY:** The domestic industry has reported that there is no fall in demand of the subject goods and that they have faced material injury on the following account :-

- i) The market share of the domestic industry has declined from 74.09% in 1999-2000 to 57.81% in the POI.
- ii) The imports from China have increased from 4.68 lakh pairs in 1999-2000 to 5.7 lakh pairs in POI (annualized). Further the imports have also been routed through Hong Kong, Singapore as per the

available evidence and thus imports from China are in much higher quantity.

- iii) The production of the domestic industry has declined by 11.24% in POI as compared to 98-99.
- iv) The capacity utilization percentage has declined from 62.97% in 98-99 to 60% in 99-2000 and further to 53.26% in POI.
- v) The profitability of the industry has declined from Rs. \*\*\* crores in 1999-2000 to Rs. \*\*\* crores in POI.
- vi) The weighted average profit per pair has declined from Rs. \*\*\* per pair in 1999-2000 to Rs. \*\*\* per pair in the POI.

### **C. EXAMINATION BY AUTHORITY**

The foregoing submissions made by the interested parties and other interested parties have been examined, considered and dealt with at appropriate places in these findings to the extent these are relevant as per Rules and have a bearing upon the case.

1. **PRODUCT UNDER CONSIDERATION:** The product under consideration is Sports Shoes, a non-leather sports footwear classified under the Custom Head 6402 to 6405. The product covers PVC injected shoes, Canvas shoes with upper soles and Sports shoes with uppers synthetic or textiles or combination materials and with rubber or EVA sole only. The classification is however indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigation.
2. **LIKE ARTICLE:** The authority notes that the sports footwear similar to those being imported are also being manufactured by the domestic industry and are being used

interchangeably by the customers in India. The goods manufactured by the domestic industry are Like Article to the goods imported from the subject country within the meaning of the Rule 2(d).

3. **DOMESTIC INDUSTRY:** The Authority notes that the domestic producers as indicated below accounting for more than 50% of the total domestic production have supported the investigation:

1. M/s API Polymers P Ltd., New Delhi
2. M/s Nikhil Footwear P Ltd., New Delhi
3. M/s Footwear (Klick) India P Ltd., New Delhi
4. M/s Prem Enterprises, New Delhi
5. M/s Welcome shoes, New Delhi
6. M/s Galaxy Shoes (I) P Ltd., New Delhi
7. M/s Aditi International, New Delhi
8. M/s Lakhani Shoes Ltd., Faridabad
9. M/s Liberty Group, New Delhi
10. M/s Relaxo International, New Delhi

None of the domestic producers have opposed the anti-dumping investigation.

Further the following domestic producers have provided the information on injury:

1. M/s Relaxo Footwear Ltd.
2. M/s API Associates Ltd.
3. M/s Nikhil Footwear Ltd.
4. M/s Lakhani India Ltd.

The above mentioned producers satisfy the criteria for the domestic industry as per Rule 2(b).

#### 4. NORMAL VALUE & EXPORT PRICE

Under Section 9A(1)(c), normal value in relation to an article means:

(i) the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or

(ii) when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either:-

(a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or

(b) the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section(6);

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transshipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value

shall be determined with reference to its price in the country of origin.

### Normal value

None of the exporters/producers in China have responded to the Questionnaire sent by the Authority. The information on domestic selling prices and prices to the third countries has, however, been provided by certain reliable sources to the authority. The authority also notes that the cost of production of the subject goods in India has been made available by the domestic industry. In view of no cooperation from the exporters, the Authority considers it appropriate to construct thenormal value as per the best available information in accordance with the Anti-Dumping Rules. This has also been co-related with the Domestic selling price of the subject goods in subject country and also its export prices to the third countries other than India on the basis of the information gathered from authentic sources. The constructed normal value of the un-branded sports shoes including low end branded shoes and branded shoes (Nike/Reebok/Adidas) subject goods in the subject country comes to \*\*\*Rs./per pair and \*\*\*Rs./pair respectively.

### Export price

The Directorate has on the basis of the information provided by the domestic industry and certain importers after co-relating the same with the DGCI&S data evaluated the ex-factory export price by allowing adjustments on ocean freight, ocean insurance, commission, port expenses, inland freight etc. to an extent of \*\*\*,\*\*\*,\*\*\*,\*\*\*& \*\*\*Rs./pair on the basis of the best available information from the domestic industry and the importers and the consistent practice adopted in such cases. The



weighted average ex-factory export price of the unbranded sports shoes including low end branded shoes and branded shoes (Nike/Reebok/Adidas) subject goods comes to \*\*\*Rs./pair and \*\*\*Rs./pair respectively.

### 5. DUMPING-Comparison of Normal Value & Export Price

The rules relating to comparison provides as follows:

"While arriving at margin of dumping, the Designated Authority shall make a fair comparison between the export price and the normal value. The comparison shall be made at the same level of trade, normally at ex-works level, and in respect of sales made at as nearly possible the same time. Due allowance shall be made in each case, on its merits, for differences which affect price comparability, including differences in conditions and terms of sale, taxation, levels of trade, quantities, physical characteristics, and any other differences which are demonstrated to affect price comparability."

The authority has carried out comparison of weighted average normal value with the weighted average ex-factory export price for evaluation of dumping margin.

<u>Exporter/Producer</u>	<u>Normal value</u> (Rs./pair)	<u>Export price</u> (Rs/pair)	<u>Dumping margin (%)</u>
All exporters/ producers			
a) Unbranded & low end branded excluding Nike/Reebok/Adidas	*****	*****	67.61
b) Branded category (Nike/Reebok/Adidas)	*****	*****	126.80

The dumping margin for exporters for the two categories as indicated above comes to 67.61% and 126.80% respectively.

## **6. INJURY AND CAUSAL LINK**

Under Rule 11 supra, Annexure-II, when a finding of injury is arrived at, such finding shall involve determination of the injury to the domestic industry, ".....taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles...." In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, indices having a bearing on the state of the industry as production, capacity utilisation, sales quantum, stock, profitability, net sales realisation, the magnitude and margin of dumping, etc. have been considered in accordance with Annexure II(iv) of the rules supra.

### **The Authority observes the following**

1. The market share of the domestic industry has declined from 74.09% in 1999-2000 to 57.81% in the POI.
2. The imports from China have increased from 4.68 lakh pair in 1999-2000 to 5.7 lakh pair in the POI (annualized).

Further the imports have also been routed through Hong Kong and Singapore as per the available evidence.

2. The production of the domestic industry has declined by 11.24% in POI as compared to 98-99.
3. The capacity utilization percentage has declined from 62.97% in 98-99 to 60% in 1999-2000 and further to 53.26% in POI.
4. The profitability of the industry has declined from Rs.\*\*\* crores in 1999-2000 to Rs.\*\*\* crores in POI.
5. The weighted average profit per pair has declined from Rs. \*\*\* per pair in 1999-2000 to Rs. \*\*\* per pair in POI.

The authority notes that the demand of the subject goods have increased to 5.6 lakh pair in POI (annualised) from 5.0 lakh pair in 1999-2000 and about 5 lakh pair in 98-99.

The above economic indicators collectively and cumulatively indicate that the domestic industry has suffered material injury to the dumped imports. In establishing that the material injury to the domestic industry has been caused by the dumped imports from the subject country, the Authority holds that the dumped exports of subject goods from the subject country have depressed the prices of the subject goods in the domestic market and, therefore, forced the domestic industry to sell at un-remunerative prices resulting in decline in profitability and financial losses to the domestic industry. Since the demand of the subject goods has been rising, it has not been a contributing factor to the injury caused to the domestic industry.

#### **7. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST & OTHER ISSUES**

Certain interested parties have submitted that the anti-dumping duties are protectionist in nature. The authority recognises that though the imposition of anti-dumping duties

might affect the price levels of the products manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products, however, fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by the dumping practices and would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice of the subject goods to the consumers. Imposition of anti-dumping measures would also not restrict imports from the subject country in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.

#### 8. LANDED VALUE

The landed value has been determined after adding applicable level of custom duties (except duties levied under Section 3, 3A, 8B, 9, 9A) and one percent towards landing charges for the purposes of preliminary determination pending final investigation.

#### D CONCLUSIONS:

It is seen, after considering the foregoing, that:

- a) The subject goods in the forms as indicated in the foregoing Para C(1) originating in or exported from the subject country have been exported to India below its normal value.
- b) The domestic industry has suffered material injury by way of decline in its market share and financial losses due to depressed Selling prices on account of price depression caused by low landed prices of the dumped subject goods.

- c) The injury has been caused to the domestic industry by dumping of the subject goods originating in or exported from the subject country. The authority recommends anti-dumping duty on imports of subject goods falling under Chapter 64 originating in or exported from the subject country.
- d) It was considered to recommend amount of anti-dumping duty equal to margin of dumping so as to remove injury to the domestic industry. Accordingly, it is proposed that anti-dumping duties be imposed, on all imports of Sports Shoes originating in or exported from the subject country i.e. Peoples Republic of China falling under chapter 64 (Custom head 6402 to 6405) of the Customs Tariff. The subject goods are PVC injected shoes, canvas shoes with upper soles and Sports shoes with uppers synthetic or textiles or combination materials and with rubber or EVA sole only as also indicated in foregoing para C(1). The anti-dumping duty shall be the difference between the amounts mentioned in column 3 below and the landed value of imports in \$/pair.

1	2	3
Sl.No	Name of the exporter/producer	Amount (US\$/pair)
1.	All exporters/ producers	
	a) Unbranded & low end branded excluding Nike/Reebok/Adidas	6.277
	b) Branded category (Nike/Reebok/Adidas)	18.44

### **E. FURTHER PROCEDURE**

The following procedure would be followed subsequent to notifying the preliminary findings:

- a. The Authority invites comments on these findings from all interested parties and the same would be considered in the final findings. Any evidence submitted at this stage by any interested parties will also be considered.-
- b. Exporters, importers, petitioner and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority, who may make known their views, within forty days from the date of the despatch of the letter. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings;
- c. The Authority would conduct verifications to the extent deemed necessary;
- d. The Authority would provide opportunity to all interested parties for oral submissions, for which the date and time shall be communicated to all known interested parties separately;
- e. The Authority would disclose essential facts before announcing final findings.

L.V. SAPTHARISHI, Designated Authority